दैनिक जागरण

PAGE NO 6 : MIDDLE

कथाकार मंडली, नई दिल्ली की ओर से 'अगस्त के अवशेष' नाटक का मंचन एसआरएमएस रिद्धिमा के सभागार करते कलाकार ● सौ. एसआरएमएस

विभाजन के मंजर में इंसानियत की तलाश

जागरण संवाददाता, बरेली : एसआरएमएस रिद्धिमा के सभागार में रविवार को कथाकार मंडली नई दिल्ली की ओर से 'अगस्त के अवशेष' नाटक का मंचन हुआ। सआदत हसन मंटो के अफसानों के किरदारों से प्रेरित इस नाटक को राहुल शर्मा ने लिखा और निर्देशित किया। 1940 के दशक में हिंदुस्तान की जर्जर स्थिति पर आधारित इस नाटक में हर आदमी, इंसानियत की दहलीज पर खड़ा है, जिसे कई लोग पार करने में असफल रहे।

इसमें कालेज के दो छात्र सुगरा (रानी सोनकर) और धरम (शशांक त्रिपाठी) की एक सुखद यात्रा का दुखद अंत है, जो विभाजन और बाकी सभी बाधाओं के बावजूद एक-दूसरे के प्यार में पागल हैं। साथ ही हम एक ऐसे आम आदमी बिशन सिंह (राहुल कुमार) की भी कहानी हैं, जिसकी सत्ता और राजनीति में कोई भूमिका नहीं थी। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार सहित शहर के गणमान्य मौजूद रहे।